Bank of England :- 1

बैंक ऑफ इंग्लैंड ग्रेट-ब्रिटेन का केन्द्रीय बैंक है। इसकी स्थापना 1694 ई० में पार्लियामेन्ट के एक विशेष कानून के अनुसार मिश्रित पूंजी की कम्पनी के आधार पर हुई थी, किन्तु 1946 ई० के Bank of England Act के अनुसार इसका राष्ट्रीयकरण किया गया तथा राज्य ने इसकी सम्पूर्ण पूंजी स्वयं ले ली। तब से यह सार्वजनिक संस्था के रूप में कार्य करता है। इस बैंक की व्यवस्था के लिए एक गवर्नर, एक डिपुटी गवर्नर तथा 16 डायरेक्टरों की नियुक्ति चार वर्षों के लिए होती है।

आजकल इस बैंक की वास्तविक व्यवस्था का कार्य इसके गवर्नर तथा चार पूर्णकालिक संचालकों द्वारा किया जाता है। बैंक की दैनिक कार्यवाही की जिम्मेदारी गवर्नर के हाथ में है, किन्तु प्रमुख निर्णयों के लिए बैंक को अपने बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स पर आश्रित रहना पड़ता है। आवश्यक परामर्श के लिए एक ट्रेजरी कमिटी रहती है जिसमें गवर्नर, डिपुटि गवर्नर तथा पाँच डाइरेक्टर्स रहते हैं। बैंक की कार्यवाही में इस कमिटी का सर्वाधिक

प्रमुख स्थान हैं। किन्तु, पूर्णकालिक-
कर्मचारियों की नियुक्ति के बाद इनके महत्व
में कुछ कमी आ गयी है। बैंक ऑफ इंगलैण्ड
एक कारपोरेशन या निगम है जिसकी
शक्तियों का नियंत्रण इसके चार्टर द्वारा होता
है। चार्टर के अनुसार बैंक को बहुत
ही व्यापक अधिकार प्राप्त हैं।

1946 ई० के बैंक अधिनियम के
अनुसार बैंक अपने मुनाफे का एक निश्चित
भाग ट्रेजरी को देता है। इस अधिनियम
की सर्वोधिक प्रमुख विशेषता यह है कि
इसके अनुसार बैंक ऑफ इंगलैण्ड को
वहाँ के व्यापारिक बैंकों की कार्यवाही
को नियंत्रण के सम्बन्ध में कानूनी
अधिकार दिए गए हैं। व्यापारिक बैंकों
को नियंत्रित करने की इसकी शक्ति की
दरअसल में, निम्नलिखित दो सीमाएँ हैं:—

(1) ऐसा करने के लिए ट्रेजरी की अनुमति लेना
पड़ता है।

(2) बैंक ऑफ इंगलैण्ड किसी बैंक की पूरी
कार्यवाही के बारे में सुझाव दे सकता है।

इस प्रकार बैंक ऑफ
इंगलैण्ड अब किसी भी बैंक को उसकी
कार्यवाही के सम्बन्ध में सुझाव दे सकता
है।

Scanned with CamScanner

बैंक ऑफ इंगलैंड की आधुनिक प्रवृत्तियाँ:-

द्वितीय महायुद्ध के बाद बैंक ऑफ इंगलैण्ड तथा बैंकिंग के क्षेत्र में दो नयी प्रवृत्तियों का सुत्रपात हुआ है:-

(1) व्यावसायिक बैंक एवं बैंक ऑफ इंगलैण्ड के बीच अब प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित होना शुरू हो गया है जिससे सरकारी हुण्डियों के आधार पर व्यावसायिक बैंकों ने बैंक ऑफ इंगलैण्ड की प्रत्यक्ष रूप से सहायता लेना प्रारम्भ कर दिया है।

(2) बैंक ऑफ इंगलैण्ड व्यावसायिक बैंकों तथा मुद्रा-बाजार की संस्थाओं को बैंक-दर पर सहायता देने के लिए सदा तत्पर रहता है।

बैंक ऑफ इंगलैण्ड की वर्तमान विशेषता:-

यह पहले की तरह आजकल कोई विस्तृत वार्षिक विवरण नहीं प्रकाशित करता। इसका प्रधान कारण इंगलैण्ड की अन्तर्राष्ट्रीय भुगतान की विपक्षता है। ऐसी स्थिति में बैंक द्वारा देश की आर्थिक स्थिति के सम्बन्ध में विवरण प्रकाशित करने का अच्छा प्रभाव नहीं पड़ सकता है।